Desh Bhagat University
Research. Innovation. Entrepreneurship.
1972
NAAC GRADE A+
ACCREDITED UNIVERSITY

Newsletter

U/S 2(f) & 12B of the UGC Act 1956 & Member, Association of Indian Universities (AIU),
& United Nations Academic Impact (UNAI), NAAC Accredited ISO Certified

|| FOLLOW YOUR PASSION ||

|| JULY 2025 ||

Mega Job Fair 2025 to be Hosted on 23rd June in Jammu by Desh Bhagat University and Cluster University

Desh Bhagat University, Punjab , in collaboration with Cluster University of Jammu, is all set to host a Mega Job Fair 2025 on 23rd June 2025 at the Cluster University campus (GGM Science College), Jammu. The event aims to bridge the gap between job seekers and top recruiters across various sectors.

During an interaction with media persons here today, Dr. Harsh Sadawarti, Vice Chancellor of Desh Bhagat University, said that The Job Fair is expected to be a grand affair with over 45 reputed companies participating, offering a golden opportunity for youth to engage with leading employers. With 4000+ vacancies across diverse domains and a maximum package of up to 8 LPA, this fair is poised to be a landmark initiative in boosting employment opportunities in the region.

Adding immense prestige to the event, Shri Manoj Sinha, Hon'ble Lieutenant Governor of Jammu &

Manoj Sinha, Hon'ble Lieutenant Governor of Jammu & Kashmir, will grace the occasion as the Chief Guest.

Speaking on the occasion, Dr. Harsh Sadawarti said that The fair will commence at 9:00 AM and continue throughout the day, featuring direct recruitment drives, on-spot interviews, and career guidance sessions. Job aspirants from across the UT and neighboring states are encouraged to participate and take full advantage of the vast opportunities being offered.

देश भगत यूनिवर्सिटी और क्लस्टर यूनिवर्सिटी द्वारा जम्मू में 23 जून को आयोजित किया जाएगा मेगा जॉब फेयर –2025

देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब की ओर से क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू के सहयोग के साथ, 23 जून 2025 को क्लस्टर यूनिवर्सिटी परिसर (जीजीएम साइंस कॉलेज), जम्मू में एक मेगा जॉब फेयर 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी चाहने वालों और शीर्ष भर्तीकर्ताओं के बीच के अंतर को खत्म करना है।

आज यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान देश भगत यूनिवर्सिटी के वाईस चांसल़ डॉ.हर्ष सदावर्ती ने कहा कि इस जॉब फेयर के एक भव्य आयोजन की उम्मीद है, जिसमें 45 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी, जो युवाओं को अग्रणी नियोक्ताओं के साथ जुड़ने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। विभिन्न क्षेत्रों में 4000 से अधिक रिक्तियों और 8 लाख वार्षिक तक के अधिकतम पैकेज के साथ, यह मेला इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में एक ऐतिहासिक पहल साबित होने वाला है।

इस कार्यक्रम को और भी गौरव प्रदान करते हुए जम्मू–कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए वाईस चांसलर डॉ.हर्ष सदावर्ती ने कहा कि यह मेला सुबह 9रू00 बजे शुरू होगा और पूरे दिन जारी रहेगा, जिसमें सीधी भर्ती अभियान, ऑन–स्पॉट साक्षात्कार और कैरियर मार्गदर्शन सत्र शामिल होंगे। यूटी और पड़ोसी राज्यों के नौकरी चाहने वालों को भाग लेने और पेश किए जा रहे विशाल अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है

Dr. Sandeep Singh, President of Desh Bhagat University Honored by Hon'ble Lieutenant Governor of Jammu & Kashmir

In a noteworthy recognition of his contributions to education and youth empowerment, Dr. Sandeep Singh, President of Desh Bhagat University, Punjab, was honored by HE Shri Manoj Sinha, the Hon'ble Lieutenant Governor of Jammu & Kashmir. The felicitation took place during the Mega Job Fair 2025, held in Jammu.

The event, a joint initiative by Desh Bhagat University and the Cluster University of Jammu, drew an overwhelming response from students and job seekers across the region. As Chief Guest

Shri Manoj Sinha commended the university for launching this landmark initiative aimed at empowering the youth through direct interaction with leading employers.

This large-scale recruitment drive offered participants a valuable platform to connect with top industry representatives and explore promising career opportunities.

In his keynote address, Shri Manoj Sinha praised Desh Bhagat University for its steadfast commitment to youth development. "Such job fairs serve as vital bridges between education and employment," he remarked. "I commend Dr. Sandeep Singh and his team for this commendable initiative."

Upon receiving the honor, Dr. Sandeep Singh expressed his gratitude and reiterated the university's commitment to organizing more events that align with national objectives of skill development, employability, and inclusive growth.

"This recognition is a testament to our dedication to holistic student development and our responsibility towards national progress," said Dr. Singh.

जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने डीबीयू के अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह को किया सम्मानित

शिक्षा और युवा सशक्तिकरण में उनके योगदान के लिए उल्लेखनीय मान्यता देते हुए, देश भगत विश्वविद्यालय, पंजाब के अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह को जम्मू और कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल महामहिम श्री मनोज सिन्हा ने सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह जम्मू में आयोजित मेगा जॉब फेयर 2025 के दौरान हुआ।

देश भगत विश्वविद्यालय और जम्मू के क्लस्टर विश्वविद्यालय की संयुक्त पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में पूरे क्षेत्र के छात्रों और नौकरी चाहने वालों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। मुख्य अतिथि के रूप में श्री मनोज सिन्हा ने अग्रणी नियोक्ताओं के साथ सीधे संपर्क के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस ऐतिहासिक पहल को शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की।

इस बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान ने प्रतिभागियों को शीर्ष उद्योग प्रतिनिधियों से जुड़ने और आशाजनक कैरियर के अवसरों का पता लगाने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान किया।

इस अवसर पर श्री मनोज सिन्हा ने युवा विकास के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए देश भगत विश्वविद्यालय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ऐसे जॉब फेयर शिक्षा और रोजगार के बीच महत्वपूर्ण पुल का काम करते हैं। "मैं इस सराहनीय पहल के लिए डॉ. संदीप सिंह और उनकी टीम की सराहना करता हूँ।" सम्मान प्राप्त करने पर, डॉ. संदीप सिंह ने आभार व्यक्त किया और कौशल विकास, रोजगार और समावेशी विकास के राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ संरेखित अधिक से अधिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराया। डॉ. संदीप सिंह ने कहा, "यह मान्यता समग्र छात्र विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय प्रगति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रमाण है।"

देश भगत विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ. ज़ोरा सिंहय प्रो-चांसलर डॉ. तजिंदर कौर और कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती ने हार्दिक बधाई दी और विश्वविद्यालय की असाधारण उपलब्धि की सराहना की।

Desh Bhagat University Signs Historic MoUs with Shobhit University, Gangoh

Under the esteemed vision and leadership of Dr. Zora Singh, Chancellor of Desh Bhagat University (DBU), Mandi Gobindgarh, the university signed three historic Memorandums of Understanding (MoUs) with different verticals of Shobhit University, Gangoh.

These MoUs mark the beginning of a strategic partnership aimed at promoting faculty exchange, joint research, and academic collaboration in the fields of Ayurveda, Pharmacy, and Research.The agreements will facilitate submission of collaborative research projects, resource sharing, and the organization of national and international seminars and conferences.

The MoUs were signed by Dr. Harsh Sadawarti, Vice Chancellor, Desh Bhagat University, and Dr. Ranjit Singh, Vice Chancellor, Shobhit University, Gangoh, in a formal ceremony held at the DBU campus.

The event was graced by senior academic and administrative leaders from DBU including Dr. Parveen Bansal, Dean, Research & Development, Mr. Surinder Kapoor, Registrar, Dr. Kulbhushan, Director, Ayurveda, Dr. Puja Gulati, Director, Pharmacy and Dr. Harvinder Kaur Sidhu, Dean, Agriculture.

Speaking on the occasion, Dr. Harsh Sadawarti emphasized the importance of integrating traditional and modern healthcare systems, and how such collaborations will help unlock new research opportunities and enrich academic delivery.

Dr. Ranjit Singh shared his enthusiasm for the collaboration, highlighting the shared vision of both universities to promote excellence in Indian systems of medicine and pharmaceutical sciences.

देश भगत विश्वविद्यालय ने गंगोह के शोभित विश्वविद्यालय के साथ किया समझौता

देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू), मंडी गोबिंदगढ़ के चांसलर डॉ. ज़ोरा सिंह के सम्मानित दृष्टिकोण और नेतृत्व में, विश्वविद्यालय ने गंगोह के शोभित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के साथ तीन ऐतिहासिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

ये समझौता ज्ञापन आयुर्वेद, फार्मेसी और अनुसंधान के क्षेत्र में संकाय आदान–प्रदान, संयुक्त अनुसंधान और शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत का प्रतीक हैं। समझौते सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं को प्रस्तुत करने, संसाधन साझा करने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और सम्मेलनों के आयोजन की सुविधा प्रदान करेंगे।

डीबीयू परिसर में आयोजित एक औपचारिक समारोह में देश भगत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती और गंगोह के शोभित विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रणजीत सिंह द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस कार्यक्रम में डीबीयू के वरिष्ठ शैक्षणिक और प्रशासनिक अधिकारिओं ने भाग लिया, जिनमें डॉ. परवीन बंसल, डीन, अनुसंधान एवं विकास, श्री सुरिंदर कपूर, रजिस्ट्रार, डॉ. कुलभूषण, निदेशक, आयुर्वेद, डॉ. पूजा गुलाटी, निदेशक, फार्मेसी और डॉ. हरविंदर कौर सिद्धू, डीन, कृषि शामिल थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. हर्ष सदावर्ती ने पारंपरिक और आधुनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया और बताया कि कैसे इस तरह के सहयोग नए शोध अवसरों को खोलने और अकादमिक वितरण को समृद्ध करने में मदद करेंगे।

डॉ. रंजीत सिंह ने सहयोग के लिए अपना उत्साह साझा किया, भारतीय चिकित्सा प्रणालियों और दवा विज्ञान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के साझा दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

Desh Bhagat University Celebrates Doctors' Day with Heartfelt Tribute to Medical Professionals

Doctors' Day celebrated with great enthusiasm and reverence at Desh Bhagat University by Desh Bhagat Dental College and Hospital. The day commemorates the birth and death anniversary of the legendary Dr. Bidhan Chandra Roy, a distinguished physician and the former Chief Minister of West Bengal and honors the tireless dedication, compassion, and expertise of doctors nationwide.

The event at Desh Bhagat University brought together faculty members, medical professionals, and dignitaries to recognize the invaluable contributions of doctors and reaffirm the institution's unwavering commitment to compassionate healthcare.

Under the visionary leadership of Chancellor Dr. Zora Singh and Pro-Chancellor Dr. Tajinder Kaur, the celebration was marked by dignity and gratitude. Principal Dr. Vikram Bali and Vice Principal Dr. Tejveer Singh led the commemorative activities, which included a ceremonial cake-cutting and inspirational addresses focused on the holistic responsibilities of doctors — not only in delivering academic and medical excellence but also in upholding cultural and social values.

Dr. Zora Singh said that at Desh Bhagat University, 'we are proud to nurture future generations of doctors who are as committed to human values as they are to scientific advancement.

देश भगत डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल की ओर से उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया डॉक्टर्स डे

देश भगत डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा देश भगत यूनिवर्सिटी में डॉक्टर्स डे बड़े उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। यह दिवस प्रसिद्ध चिकित्सक एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय के जन्म एवं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है तथा देश भर के डॉक्टरों के अथक समर्पण, करुणा एवं विशेषज्ञता का सम्मान करता है।

देश भगत यूनिवर्सिटी में आयोजित इस कार्यक्रम में संकाय सदस्य, चिकित्सा पेशेवर और गणमान्य व्यक्ति एकत्रित हुए, ताकि डॉक्टरों के अमूल्य योगदान को मान्यता दी जा सके और करुणामय स्वास्थ्य सेवा के प्रति संस्थान की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की जा सके।

चांसलर डॉ. ज़ोरा सिंह और प्रो–चांसलर डॉ. तजिंदर कौर के दूरदर्शी नेतृत्व में, समारोह को गरिमा और कृतज्ञता से चिह्नित किया गया।

इस मौके प्रिंसिपल डॉ. विक्रम बाली और वाइस प्रिंसिपल डॉ. तेजवीर सिंह ने गतिविधियों का नेतृत्व किया, जिसमें एक औपचारिक केक–कटिंग और डॉक्टरों की समग्र जिम्मेदारियों पर केंद्रित प्रेरणादायक संबोधन शामिल थे। यह न केवल अकादमिक और चिकित्सा उत्कृष्टता प्रदान करने में बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों को बनाए रखने में भी था।

इस दौरान डॉ. ज़ोरा सिंह ने कहा कि देश भगत यूनिवर्सिटी में हमें डॉकटरों की भावी पीढियों को तैयार करने पर गर्व है, जो वैज्ञानिक प्रगति के साथ–साथ मानवीय मूल्यों के प्रति भी प्रतिबद्ध हैं।

इस रणनीतिक गठबंधन से अकादमिक नवाचार, छात्र सशक्तिकरण और प्रभावशाली शोध के लिए नए रास्ते बनने की उम्मीद है।

Desh Bhagat University Hosts FDP on Emerging AI Tools for Agriculture Scientists and Educators

The AGRIM Club, in collaboration with the Faculty of Agriculture and Life Sciences and the Faculty of Engineering Technology and Computing at Desh Bhagat University (DBU), under the aegis of the Office of Academic Affairs, successfully organized a Faculty Development Programme (FDP) on "Emerging AI Tools for Agriculture Scientists and Educators."

The event was inaugurated with a warm welcome extended to all dignitaries and participants by Prof. (Dr.) Amarjit Singh, Hon'ble Pro Vice Chancellor (Academics), who highlighted the importance of FDPs in strengthening the academic framework. In his keynote address, he emphasized the growing relevance of Artificial Intelligence in enhancing the quality of education, promoting innovation, and improving teaching methodologies.

Dr. Khushboo Bansal formally welcomed all participants and esteemed speakers, setting the tone for a highly insightful and engaging academic session.

In her opening remarks, Prof. (Dr.) H.K. Sidhu underlined the value of Artificial Intelligence as a transformative tool for both researchers and educators.

The technical sessions featured a series of enlightening talks by distinguished experts:Prof. (Dr.) Badhai Lonia, Professor of Mechanical Engineering, delivered a comprehensive introduction to Artificial Intelligence.

Dr. Avinash Kumar Bhatia, Faculty of Agriculture and Life Sciences, provided in-depth insights into the integration of AI in agriculture.

Dr. Gurinder Kaur Sodhi, Associate Professor in the Department of Electronics and Communication Engineering, explored the interdisciplinary benefits of AI, particularly its growing role in medical diagnosis and healthcare, showcasing AI's potential beyond agriculture.

Dr. Sachin Bhardwaj, also from the Faculty of Agriculture and Life Sciences, concluded the expert sessions with a holistic perspective on the diverse applications of AI across sectors.

The event concluded with a heartfelt Vote of Thanks delivered by Ms. Shivangi Sood.

देश भगत यूनिवर्सिटी की ओर से कृषि वैज्ञानिकों और शिक्षकों के लिए उभरते एआई उपकरणों पर एफडीपी का आयोजन

देश भगत यूनिवर्सिटी (डीबीयू) के कृषि और जीव विज्ञान फेकलटी और इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी और कंप्यूटिंग फेकलटी के सहयोग से एग्रीम क्लब ने अकादमिक मामलों के कार्यालय के तत्वाधान में कृषि वैज्ञानिकों और शिक्षकों के लिए उभरते एआई उपकरण पर एक फेकलटी विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के उद्घाटन मौके प्रो. (डॉ.) अमरजीत सिंह, प्रो वाइस चांसलर (अकादमिक) द्वारा सभी गणमान्य और प्रतिभागियों का स्वागत किया गया, जिन्होंने शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करने में एफडीपी के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने मुख्य भाषण में, उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, नवाचार को बढ़ावा देने और शिक्षण पद्धतियों में सुधार करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती प्रासंगिकता पर जोर दिया।

डॉ. खुशबू बंसल ने सभी प्रतिभागियों और सम्मानित वक्ताओं का औपचारिक स्वागत किया, तथा एक अत्यंत ज्ञानवर्धक और आकर्षक शैक्षणिक सत्र की रूपरेखा तैयार की।

अपने प्रारंभिक भाषण में, प्रो. (डॉ.) एच.के. सिद्धू ने शोधकर्ताओं और शिक्षकों दोनों के लिए एक परिवर्तनकारी उपकरण के रूप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व को रेखांकित किया।

इस दौरान तकनीकी सत्रों में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा ज्ञानवर्धक व्याख्यान की एक श्रृंखला प्रस्तुत की गईरू मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रो. (डॉ.) बधाई लोनिया ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक व्यापक परिचय दिया।

कृषि एवं जीवन विज्ञान फेकलटी के डॉ. अविनाश कुमार भाटिया ने कृषि में एआई के एकीकरण पर गहन जानकारी प्रदान की।

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गुरिंदर कौर सोढ़ी ने एआई के अंतरूविषयक लाभों, विशेष रूप से चिकित्सा निदान और स्वास्थ्य देखभाल में इसकी बढ़ती भूमिका का पता लगाया, और कृषि से परे एआई की क्षमता को प्रदर्शित किया।

कृषि एवं जीवन विज्ञान फेकलटी के डॉ. सचिन भारद्वाज ने विभिन्न क्षेत्रों में एआई के विविध अनुप्रयोगों पर समग्र दृष्टिकोण के साथ विशेषज्ञ सत्र का समापन किया।

इस कार्यक्रम का समापन शिवांगी सूद द्वारा दिए गए हार्दिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

Desh Bhagat University and DBU Americas Partner with Datagami Technology to Launch UPI Study Centre

Desh Bhagat University (DBU), a NAAC A+ accredited multidisciplinary university in Punjab, along with Desh Bhagat Group international campus Desh Bhagat University Americas, has signed a significant Memorandum of Understanding (MoU) with Datagami Technology Services, a leading Mumbai-based EdTech company, to establish a UPI Study Centre (University Pathway International) at DBU.

The MoU was formally signed by Dr. Sandeep Singh, President of Desh Bhagat University and Desh Bhagat University Americas, and Mr. Dhaval Shah, Founder & CEO of Datagami. The event was graced by Dr. Harsh Sadawarti, Vice Chancellor, Desh Bhagat University, and Mr. Arun Malik, Director – International Operations.

Speaking on the occasion, Dr. Sandeep Singh, President of DBU and DBU Americas, stated that this partnership with Datagami and UPI Study reflects our commitment to providing international academic exposure at an affordable cost. Through this initiative, students from India and across the globe will benefit from accelerated, flexible, and cost-effective pathways to prestigious foreign universities."

The UPI Study Centre will serve as a bridge for Indian and international students to access globally recognized U.S.-based academic programs. Through online and blended delivery, students can earn 30 to 60 U.S. college-level credits while in India, enabling them to directly enter the 2nd or 3rd year of undergraduate programs abroad - saving up to □60 lakhs per student in tuition and living expenses.

Highlights of the UPI Study Centre: Academic credit recognition by NCCRS and ACE, backed by U.S. government standards, Access to 70+ Ivy League–developed courses in fields such as Business, Computer Science, Psychology, and Healthcare, Guaranteed admissions to 2,100+ universities worldwide (USA, UK, Germany, Ireland, etc.), Visa success support and post-study work visa eligibility, Shared focus on affordability, flexibility, and global mobility.

This collaboration between DBU India, DBU Americas, and Datagami is a strong step forward in redefining global education and offering transformative career pathways for aspiring students.

देश भगत यूनिवर्सिटी और डीबीयू अमेरिका ने यूपीआई अध्ययन केंद्र शुरू करने के लिए डाटागामी टेक्नोलॉजी के साथ साझेदारी की

पंजाब में NAAC A+ मान्यता प्राप्त बहुविषयक विश्वविद्यालय देश भगत यूनिवर्सिटी (क्ठन्) ने देश भगत ग्रुप के अंतर्राष्ट्रीय परिसर देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिका के साथ मिलकर DBU में UPI अध्ययन केंद्र (यूनिवर्सिटी पाथवे इंटरनेशनल) स्थापित करने के लिए मुंबई की एक प्रमुख एडटेक कंपनी डाटागामी टेक्नोलॉजी सर्विसेज के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौता ज्ञापन पर देश भगत यूनिवर्सिटी और देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिका के अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह और डाटागामी के संस्थापक और सीईओ श्री धवल शाह ने औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में देश भगत यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती और अंतर्राष्ट्रीय संचालन निदेशक श्री अरुण मलिक भी मौजूद थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, डीबीयू और डीबीयू अमेरिका के अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह ने कहा कि डेटागामी और यूपीआई स्टडी के साथ यह साझेदारी किफायती लागत पर अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस पहल के माध्यम से, भारत और दुनिया भर के छात्रों को प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों में त्वरित, लचीले और लागत प्रभावी मार्ग से लाभ होगा।" यूपीआई अध्ययन केंद्र भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त अमेरिकी–आधारित शैक्षणिक कार्यक्रमों तक पहुँचने के लिए एक पुल के रूप में काम करेगा। ऑनलाइन और मिश्रित वितरण के माध्यम से, छात्र भारत में रहते हुए 30 से 60 अमेरिकी कॉलेज–स्तरीय क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं, जिससे वे विदेश में स्नातक कार्यक्रमों के दूसरे या तीसरे वर्ष में सीधे प्रवेश कर सकते हैं – जिससे प्रति छात्र ट्यूशन और रहने के खर्च में रु 60 लाख तक की बचत होगी।

यूपीआई अध्ययन केंद्र की मुख्य विशेषताएंरू एनसीसीआरएस और एसीई द्वारा अकादमिक क्रेडिट मान्यता, अमेरिकी सरकार के मानकों द्वारा समर्थित, व्यवसाय, कंप्यूटर विज्ञान, मनोविज्ञान और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में 70 से अधिक आइवी लीग–विकसित पाठ्यक्रमों तक पहुँच, दुनिया भर में 2,100 से अधिक विश्वविद्यालयों (यूएसए, यूके, जर्मनी, आयरलैंड, आदि) में प्रवेश की गारंटी, वीज़ा सफलता सहायता और अध्ययन के बाद कार्य वीज़ा पात्रता, सामर्थ्य, लचीलेपन और वैश्विक गतिशीलता पर साझा ध्यान।

डीबीयू इंडिया, डीबीयू अमेरिका और डेटागामी के बीच यह सहयोग वैश्विक शिक्षा को फिर से परिभाषित करने और परिवर्तनकारी करियर की पेशकश करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। इच्छुक छात्रों के लिए मार्ग।

Mechanical Engineering students of Desh Bhagat University developed "Multi-Utility Power Generating Kit"

The Department of Mechanical Engineering at Desh Bhagat University, Mandi Gobindgarh, proudly announces the remarkable achievements of its final-year B.Tech students, who have showcased exceptional innovation and practical application of their academic learning through cutting-edge technical projects.

Under the guidance and mentorship of Dr. Arashdeep Singh and Dr. Bandhai Lonia, two groups of final-year students have developed innovative, research-based projects that align with contemporary needs and sustainable development goals.

The first group, comprising Vivek, Surjeet, and Chanderkant, has successfully developed a project titled "Multi-Utility Power Generating Kit," which harnesses renewable energy to generate power for multiple applications. This project emphasizes green energy solutions and reflects the students' commitment to environmental sustainability.

The second group, including KM Manisha, Akash Sharma, and Mohit Dhakrey, has created an advanced prototype of a Hybrid Car, integrating both electric and fuel-based systems to improve efficiency and reduce emissions. Their innovation reflects a deep understanding of automotive engineering and clean mobility solutions.

The project work was highly appreciated and encouraged by Chancellor Dr. Zora Singh, Pro-Chancellor Dr. Tejinder Kaur, and Vice-Chancellor Dr. Harsh Sadawarti, who congratulated the students and faculty for their dedication and outstanding contributions to applied engineering. The university leadership also extended their blessings for the students' future endeavors.

Notably, all students involved in these projects have been placed in reputed companies with excellent salary packages, marking a significant milestone in their professional journey.

The Department of Mechanical Engineering continues to uphold its legacy of fostering innovation, practical knowledge, and industry readiness among its students, ensuring their holistic development and successful careers.

देश भगत विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग छात्रों ने त्यार की मल्टी–यूटिलिटी पावर जनरेटिंग किट

देश भगत विश्वविद्यालय, मंडी गोबिंदगढ़ में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग अपने अंतिम वर्ष के बी.टेक छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों की घोषणा करता है, जिन्होंने अत्याधुनिक तकनीकी परियोजनाओं के माध्यम से अपने शैक्षणिक शिक्षण के असाधारण नवाचार और व्यावहारिक अनुप्रयोग का प्रदर्शन किया है।

डॉ. अरशदीप सिंह और डॉ. बंधाई लोनिया के मार्गदर्शन और मार्गदर्शन में, अंतिम वर्ष के छात्रों के दो समूहों ने अभिनव, शोध–आधारित परियोजनाएं विकसित की हैं जो समकालीन आवश्यकताओं और सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं।

विवेक, सुरजीत और चंद्रकांत वाले पहले समूह ने ष्मल्टी–यूटिलिटी पावर जनरेटिंग किट नामक एक परियोजना को सफलतापूर्वक विकसित किया है, जो कई अनुप्रयोगों के लिए बिजली उत्पन्न करने के लिए अक्षय ऊर्जा का उपयोग करती है। यह परियोजना हरित ऊर्जा समाधानों पर जोर देती है और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति छात्रों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

केएम मनीषा, आकाश शर्मा और मोहित धाकरे सहित दूसरे समूह ने एक हाइब्रिड कार का उन्नत प्रोटोटाइप बनाया है, जिसमें दक्षता में सुधार और उत्सर्जन को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक और ईंधन–आधारित दोनों प्रणालियों को एकीकृत किया गया है। उनका नवाचार ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और स्वच्छ गतिशीलता समाधानों की गहरी समझ को दर्शाता है।

इस परियोजना कार्य की चांसलर डॉ. ज़ोरा सिंह, प्रो–चांसलर डॉ. तेजिंदर कौर और कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती ने बहुत सराहना की और प्रोत्साहित किया, जिन्होंने छात्रों और शिक्षकों को उनके समर्पण और अनुप्रयुक्त इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट योगदान के लिए बधाई दी। विश्वविद्यालय नेतृत्व ने छात्रों के भविष्य के प्रयासों के लिए भी अपना आशीर्वाद दिया।

उल्लेखनीय रूप से, इन परियोजनाओं में शामिल सभी छात्रों को उत्कृष्ट वेतन पैकेज वाली प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी मिल गई है, जो उनके पेशेवर सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग अपने छात्रों के बीच नवाचार, व्यावहारिक ज्ञान और उद्योग की तत्परता को बढ़ावा देने की अपनी विरासत को कायम रखता है, जिससे उनका समग्र विकास और सफल करियर सुनिश्चित होता है।

Desh Bhagat Global School Shines at The Educator Pinnacle Awards-2025

In a proud celebration of educational excellence, Desh Bhagat Global School made a remarkable mark at The Educator Pinnacle Awards 2025, held at Guru Nanak Dev Stadium, Ludhiana. The prestigious event brought together leading educators and institutions from across the region.

In a significant achievement, Ms. Indu Sharma, Principal of Desh Bhagat Global School, was honored with the Principal Award in recognition of her visionary leadership and outstanding contribution to the field of education. Adding to the school's accolades, eight distinguished teachers from the institution were presented with the Best Teacher Award—a testament to their unwavering dedication, innovative teaching practices, and excellence in education.

The event was graced by Cabinet Minister Punjab Mr. Hardeep Singh Mundia, who attended as the Chief Guest. The ceremony was expertly organized by Mr. Manish Gupta and witnessed the presence of prominent principals, directors, educationists, and dignitaries, enhancing the grandeur of the occasion.

In addition to the award presentations, the event featured vibrant cultural performances by students from various schools, showcasing creativity, talent, and the spirit of young learners.

Dr. Zora Singh, Chairman of Desh Bhagat Global School, and Dr. Tajinder Kaur, General Secretary, extended their heartfelt congratulations to Principal Indu Sharma and the award-winning teachers, commending their continued commitment to educational excellence and holistic development.

देश भगत ग्लोबल स्कूल के शिक्षक एजुकेटर पिनेकल अवार्ड से सम्मानित

शिक्षा उत्कृष्टता के एक भव्य समारोह में, लुधियाना के गुरु नानक स्टेडियम में आयोजित द एजुकेटर पिनेकल अवार्ड्स 2025 में देश भगत ग्लोबल स्कूल के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में पूरे क्षेत्र के शीर्ष शिक्षक और संस्थान एक साथ आए।

देश भगत ग्लोबल स्कूल की प्रिंसिपल इंदु शर्मा को उनके दूरदर्शी नेतृत्व और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रिंसिपल अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनके साथ ही स्कूल के आठ प्रतिष्ठित शिक्षकों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो उनके समर्पण, नवाचार और शिक्षण में उत्कृष्टता का प्रमाण है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री श्री हरदीप सिंह मुंडीया उपस्थित थे, तथा श्री मनीष गुप्ता ने इसका कुशलतापूर्वक आयोजन किया। समारोह में अनेक प्रमुख निदेशक, शिक्षाविद तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने इस अवसर की भव्यता में चार चांद लगा दिए।

यह पुरस्कार समारोह न केवल सम्मान पाने का एक मंच था, बल्कि एक सांस्कृतिक उत्सव भी था, जिसमें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने मनमोहक प्रस्तुतियां देकर अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का परिचय दिया।

स्कूल के चेयरमैन डॉ. ज़ोरा सिंह और महासचिव डॉ. तजिंदर कौर ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्रिंसिपल इंदु शर्मा और देश भगत ग्लोबल स्कूल के सभी पुरस्कार विजेता शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी।

Five Day FDP on "Research, Innovation and Academic Evolution Concludes Successfully at Desh Bhagat University

The Department of Business Management and Commerce, in collaboration with the Department of Performing Arts and Media, successfully concluded a five-day Faculty Development Program (FDP) centered on "Research, Innovation and Academic Evolution: Navigating the ERA of Higher Education Post-NEP."

The FDP was inaugurated by Dr. Amarjit Singh, Pro Vice Chancellor of Desh Bhagat University, who lauded the departments for their forward-thinking approach and emphasized the need for ongoing academic innovation and faculty up skilling.

Throughout the week, eminent academicians and experts delivered impactful sessions on research methodologies, interdisciplinary pedagogy, and innovation-driven teaching practices. Speakers included Dr. L.S. Bedi (GNI, Canada), Dr. Ankdeep Attwal (SGGSWU), Dr. Navdeep Kaur (DBU), Dr. Gurvinder Singh (Chitkara University), Dr. Kanwaljit Kaur (DBU), Dr. Ripudaman Singh (Chitkara University), and Dr. Manpreet Kaur (DBU).

The valedictory session featured a vote of thanks by Dr. Ajay Kaul, Deputy Pro Vice Chancellor and Director, DBMC, and Dr. Surjeet Patheja, Director, Faculty of Performing Arts and Media. Special recognition was given to the event coordinators—Dr. Baldeep Singh, Mr. Manmeet Singh, Mr. Sunny, Dr. Tavneet Kaur, and Ms. Prabhjeet Kaur—for their exemplary efforts.

The FDP was widely appreciated for its rich content and practical relevance, reinforcing the university's commitment to academic excellence and continuous professional development in the post-NEP era.

देश भगत यूनिवर्सिटी में अनुसंधान, नवाचार और शैक्षणिक विकास पर 5 दिवसीय एफडीपी सफलतापूर्वक संपन्न

देश भगत यूनिवर्सिटी के बिजनेस मैनेजमेंट एवं कॉमर्स विभाग की ओर से पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहयोग के साथ अनुसंधान, नवाचार और शैक्षणिक विकासरूएनईपी के बाद उच्च शिक्षा के युग को नेविगेट करना विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय फैकल्टी विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

इस एफडीपी का उद्घाटन देश भगत यूनिवर्सिटी के प्रो वाइस चांसलर डॉ. अमरजीत सिंह ने किया, जिन्होंने विभागों की दूरदर्शी सोच की सराहना की तथा निरंतर शैक्षणिक नवाचार और संकाय उन्नयन की आवश्यकता पर बल दिया।

इस कार्यक्रम के पूरे सप्ताह, प्रख्यात शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने शोध पद्धतियों, अंतरूविषयक शिक्षा शास्त्र और नवाचार–संचालित शिक्षण पद्धतियों पर प्रभावशाली सत्र प्रस्तुत किए। इन वक्ताओं में डॉ. एल.एस. बेदी (जीएनआई, कनाडा), डॉ. अंकदीप अटवाल (एसजीजीएसडब्ल्यूयू), डॉ. नवदीप कौर (डीबीयू), डॉ. गुरविंदर सिंह (चितकारा यूनिवर्सिटी), डॉ. कंवलजीत कौर (डीबीयू), डॉ. रिपुदमन सिंह (चितकारा यूनिवर्सिटी), और डॉ. मनप्रीत कौर (डीबीयू) शामिल थे।

कार्यक्रम के समापन सत्र में डीबीएमसी के निदेशक एवं डिप्टी प्रो वाइस चांसलर डॉ. अजय कौल और प्रदर्शन कला एवं मीडिया फैकल्टी के निदेशक डॉ. सुरजीत पथेजा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम समन्वयकोंकृडॉ. बलदीप सिंह, श्री मनमीत सिंह, श्री सनी, डॉ. तवनीत कौर और प्रभजीत कौरकृको उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

इस एफडीपी को इसकी समृद्ध विषय–वस्तु और व्यावहारिक प्रासंगिकता के लिए व्यापक रूप से सराहा गया, जिससे एनईपी के बाद के युग में शैक्षणिक उत्कृष्टता और सतत व्यावसायिक विकास के प्रति यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता को बल मिला।

Desh Bhagat Hospital Inaugurates ENT Workstation to Enhance Hearing Care Services

Desh Bhagat Hospital a leader in healthcare and diagnostic services in the area is proud to announce the inauguration of its new, ENT WORKSTATION, aimed at improving the accuracy and efficiency of ENT Diseases assessments for patients.

The Machine was inaugurated by Chancellor Dr. Zora Singh, Dr. Tajinder Kaur Pro-Chancellor and Advocate and Renowned Social Worker S.Hardev Singh.

The inauguration was graciously attended by Dr. BL Bharadwaj (Pro-Vice Chancellor Medical DBH and Senior Medicine Consultant, Dr. Kulbhushan (Director DBAC&H), Dr. Baljit Singh (CMO Desh Bhagat Hospital), Dr.Sumeet Pal Saini (Dermatologist Desh Bhagat Hospital), Dr. Jyoti H Dhami (Medical Superintendent Desh Bhagat Hospital), along with the paramedical staff of Hospital.

"We are thrilled to introduce the ENT WORKSTATION, which will significantly elevate the standard of ENT diagnostics we provide, our commitment is to ensure every patient receives the most accurate and compassionate care possible. It represents a significant upgrade in our diagnostic capabilities at Desh Bhagat Hospital ENT Department. This advanced equipment will enable us to provide faster, more precise diagnoses and personalized treatment plans for individuals" said Dr. Zora Singh, Chancellor DBU".

Desh Bhagat Hospital has a well-equipped ENT Department which works under the renowned ENT Specialist Dr. BS Sohal and Dr. Raminder Kaur.

The ENT specialists emphasized that the ENT Work Station unit provides a centralized platform for a wide array of diagnostic and therapeutic procedures, enabling ENT specialists to effectively manage various conditions related to the ear, nose, throat, and related areas . Specialized Work station designed for the examination and treatment of conditions affecting the ear, nose, throat, and related head and neck regions, providing a comprehensive platform for diagnosis and therapy. For all Ear, Nose & Throat related conditions ENT consultation is available Monday to Saturday at Desh Bhagat Hospital.

देश भगत अस्पताल में सुनने की देखभाल सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए ईएनटी वर्कस्टेशन का उद्घाटन

देश भगत अस्पताल अपने नए ईएनटी वर्कस्टेशन के उद्घाटन की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है, जिसका उद्देश्य मरीजों के लिए ईएनटी रोगों के आकलन और दक्षता में सुधार करना है।

इस मशीन का उद्घाटन डीबीयू के चांसलर डॉ. ज़ोरा सिंह, प्रो–चांसलर डॉ. तजिंदर कौर और एडवोकेट और प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता हरदेव सिंह ने किया।

इस उद्घाटन समारोह में डॉ. बीएल भारद्वाज (प्रो–वाइस चांसलर मेडिकल डीबीएच और वरिष्ठ मेडिसिन कंसल्टेंट), डॉ. कुलभूषण (निदेशक डीबीएसी एंड एच), डॉ. बलजीत सिंह (सीएमओ देश भगत अस्पताल), डॉ. सुमित पाल सैनी (त्वचा रोग विशेषज्ञ देश भगत अस्पताल), डॉ. ज्योति एच धामी (मेडिकल सुपरिटेंडेंट देश भगत अस्पताल) और अस्पताल के पैरामेडिकल स्टाफ ने भाग लिया।

इस मौके डीबीयू के चांसलर डॉ. ज़ोरा सिंह ने कहा कि हम ईएनटी वर्कस्टेशन को पेश करने के लिए रोमांचित हैं, जो हमारे द्वारा प्रदान की जाने वाली ईएनटी डायग्नोस्टिक्स के मानक को काफी ऊंचा उठाएगा। हमारी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक रोगी को यथासंभव सटीक और उपयुक्त देखभाल मिले। यह देश भगत अस्पताल ईएनटी विभाग में हमारी नैदानिक क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण उन्नयन का प्रतिनिधित्व करता है। यह उन्नत उपकरण हमें व्यक्तियों के लिए तेज, अधिक सटीक निदान और व्यक्तिगत उपचार योजनाएं प्रदान करने में सक्षम करेगा।

उन्होंने कहा कि देश भगत अस्पताल में आधुनिक उपकरणों से अच्छी तरह से सुसज्जित ईएनटी विभाग है जो प्रसिद्ध ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. बीएस सोहल और डॉ. रमिंदर कौर के अधीन काम कर रहा है।

इस दौरान ईएनटी विशेषज्ञों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ईएनटी वर्क स्टेशन इकाई विभिन्न प्रकार की नैदानिक और चिकित्सीय प्रक्रियाओं के लिए एक केंद्रीकृत मंच प्रदान करता है, जिससे ईएनटी विशेषज्ञ कान, नाक, गले और संबंधित क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न स्थितियों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन कर सकते हैं। कान, नाक, गले और संबंधित सिर व गर्दन के क्षेत्रों को प्रभावित करने वाली स्थितियों की जांच और उपचार के लिए डिज़ाइन किया गया विशेष वर्क स्टेशन, निदान और चिकित्सा के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि अब कान, नाक और गले से संबंधित सभी स्थितियों के लिए देश भगत अस्पताल में सोमवार से शनिवार तक ईएनटी परामर्श उपलब्ध है।

Desh Bhagat University Signs MoU with PI-RAHI, a Joint Initiative of Panjab University and IIT Ropar

Desh Bhagat University (DBU) has entered into a strategic partnership with PI-RAHI, a collaborative initiative of Panjab University, Chandigarh, and IIT Ropar, through the signing of a Memorandum of Understanding (MoU). The MoU was formally signed by Dr. Rajat Sandhir, Director of PI-RAHI, and Dr. Parveen Bansal, Dean of Research and Development, DBU.

The agreement is a significant outcome of the recently held event "Syn-Pharma", organized by PI-RAHI, and has been conceptualized under the visionary leadership of Dr. Jatinder Kaur Arora, a national awardee known for her groundbreaking contributions to women empowerment through science and technology. The initiative also received enthusiastic support from Dr. Zora Singh, Chancellor, Desh Bhagat University.

The MoU outlines collaborative efforts in research, innovation, and global capacity-building. Key figures such as Mr. Arun Malik, Director of International Relations, and Ms. Neha, Chief Operating Officer, played instrumental roles by emphasizing the international dimensions of this collaboration.

During the meeting, Dr. Jatinder Kaur Arora encouraged the teams to expand their collaborative outreach through capacity-building programs in underdeveloped nations such as Namibia, Ghana, Kenya, and Tanzania, thereby strengthening global academic and scientific cooperation.

Dr. Harsh Sadawarti, Vice Chancellor of Desh Bhagat University extended full support for the joint initiative. As a next step in the partnership, DBU and PI-RAHI are set to co-host a focused meet on the Ayush industry, addressing current challenges and exploring collaborative solutions that bridge the gap between academia, industry, and consumers.

देश भगत विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय और आईआईटी रोपड़ की संयुक्त पहल PI&RAHI के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

देश भगत विश्वविद्यालय (DBU) ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और आईआईटी रोपड़ की संयुक्त पहल, PI&RAHI के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर करके एक रणनीतिक साझेदारी की है। इस समझौता ज्ञापन पर PI&RAHI के निदेशक डॉ. रजत संधीर और क्ठन्‍ के अनुसंधान एवं विकास संकायाध्यक्ष डॉ. परवीन बंसल ने औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए।

यह समझौता PI&RAHI द्वारा हाल ही में आयोजित षसिन–फार्माष कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण परिणाम है, और इसकी संकल्पना राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता डॉ. जतिंदर कौर अरोड़ा के दूरदर्शी नेतृत्व में की गई है, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में अपने अभूतपूर्व योगदान के लिए जानी जाती हैं। इस पहल को देश भगत विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. ज़ोरा सिंह का भी उत्साहजनक समर्थन प्राप्त हुआ।

यह समझौता ज्ञापन अनुसंधान, नवाचार और वैश्विक क्षमता निर्माण में सहयोगात्मक प्रयासों की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। अंतर्राष्ट्रीय संबंध निदेशक श्री अरुण मलिक और मुख्य परिचालन अधिकारी सुश्री नेहा जैसे प्रमुख व्यक्तियों ने इस सहयोग के अंतर्राष्ट्रीय आयामों पर ज़ोर देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बैठक के दौरान, डॉ. जतिंदर कौर अरोड़ा ने टीमों को नामीबिया, घाना, केन्या और तंजानिया जैसे अविकसित देशों में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से अपने सहयोगात्मक प्रयासों का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे वैश्विक शैक्षणिक और वैज्ञानिक सहयोग मज़बूत हो सके।

देश भगत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती ने इस संयुक्त पहल के लिए पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। साझेदारी के अगले चरण के रूप में, डीबीयू और पीआई–आरएएचआई आयुष उद्योग पर केंद्रित एक बैठक की सह–मेजबानी करेंगे, जिसमें वर्तमान चुनौतियों का समाधान किया जाएगा और ऐसे सहयोगात्मक समाधान खोजे जाएँगे जो शिक्षा जगत, उद्योग और उपभोक्ताओं के बीच की खाई को पाट सकें।

यह समझौता ज्ञापन नवाचार को बढ़ावा देने, शैक्षणिक–उद्योग संबंधों को मज़बूत करने और साझा दृष्टिकोण एवं विशेषज्ञता के माध्यम से वैश्विक पहुँच का विस्तार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

Desh Bhagat University and PAAWA Organize Seminar on "Awareness Against Food Adulteration"

The Public Against Adulteration Welfare Association (PAAWA), in collaboration with Desh Bhagat University, Faculty of Performing Arts and Media successfully conducted a seminar titled "Awareness Against Food Adulteration," drawing participation from over 200 students across diverse academic disciplines.

The seminar aimed to educate young minds about the growing health hazards posed by junk and adulterated foods, focusing on harmful additives, preservatives, and the urgent need for preventive awareness and healthier lifestyle choices.

Dr. Zora Singh, Hon'ble Chancellor of Desh Bhagat University, graced the event as Chief Guest. In his address, he lauded PAAWA's initiative as a vital step toward addressing a pressing public health crisis. He urged youth to shun junk food and adopt nutritious eating habits. Dr. Tajinder Kaur, Pro-Chancellor, was the Special Guest of Honour at the event.

Justice (Retd) Jora Singh, Chief Patron of PAAWA and former Judge of Punjab & Haryana High Court, emphasized PAAWA's mission to combat food adulteration through education, policy advocacy, and collaboration with agencies like FSSAI and FDA. He highlighted similar initiatives, including a previous seminar.

Expert speakers discussed critical topics such as common food adulterants, health implications, legal frameworks for food safety, and simple home tests for adulteration. The session encouraged active student engagement and awareness.

The seminar also featured prominent PAAWA members including President Sh. Amarjit Singh, Vice Presidents Capt. Balvinder Singh and Sh. Birinder Singh (Retd. Sessions Judge), General Secretary Sh. Surjit Singh Bhatoa, Sh. Kulwant Singh Lehra and Sh. Kulwant Singh Purba, Joint Secretaries, Adv. Yadbinder Pal Singh, Legal Advisor, Dr Arjan Singh, Dr Surjit Kaur Patheja DBU, stage secretary Bhagwan Das and several district leaders from Punjab, Haryana and Chandigarh.

A vote of thanks was delivered by Sh. Birinder Singh, who expressed gratitude to the university and participants. Students added vibrancy to the event with cultural performances and interactive discussions, making it a memorable and impactful awareness drive.

देश भगत यूनिवर्सिटी और पावा की ओर से खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ जागरूकता सेमिनार का आयोजन

पब्लिक अगेंस्ट एडल्ट्रेशन वेलफेयर एसोसिएशन (पावा) ने देश भगत यूनिवर्सिटी प्रदर्शन कला और मीडिया संकाय के सहयोग के साथ खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ जागरूकता शीर्षक से एक सेमिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें विभिन्न शैक्षणिक विषयों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस सेमिनार का उद्देश्य जंक और मिलावटी खाद्य पदार्थों से उत्पन्न बढ़ते स्वास्थ्य खतरों के बारे में युवाओं को शिक्षित करना है तथा निवारक जागरूकता और स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस मौके देश भगत यूनिवर्सिटी के माननीय चांसलर डॉ. जोरा सिंह ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन में, उन्होंने पावा की इस पहल की सराहना करते हुए इसे एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने युवाओं से जंक फूड से दूर रहने और पौष्टिक खान–पान की आदतें अपनाने का आग्रह किया। देश भगत यूनिवर्सिटी के प्रो–चांसलर डॉ. तजिंदर कौर इस कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि थीं।

पावा के मुख्य संरक्षक और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश, न्यायमूर्ति जोरा सिंह (सेवानिवृत्त) ने शिक्षा, नीतिगत वकालत और FSSAI oFD। जैसी एजेंसियों के साथ सहयोग के माध्यम से खाद्य पदार्थों में मिलावट से निपटने के पावा के मिशन पर ज़ोर दिया। उन्होंने पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में आयोजित एक पूर्व सेमिनार सहित इसी तरह की पहलों पर भी प्रकाश डाला।

इस दौरान हाजिर विशेषज्ञ वक्ताओं ने आम खाद्य पदार्थों में मिलावट, स्वास्थ्य संबंधी प्रभाव, खाद्य सुरक्षा के लिए कानूनी ढाँचे और मिलावट की आसान घरेलू जाँच जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस सत्र ने छात्रों की सक्रिय भागीदारी और जागरूकता को प्रोत्साहित किया।

इस सेमिनार में पावा के प्रमुख सदस्य भी शामिल हुए, जिनमें अध्यक्ष श्री अमरजीत सिंह, उपाध्यक्ष कैप्टन बलविंदर सिंह और श्री बीरिंदर सिंह (सेवानिवृत्त सत्र न्यायाधीश), महासचिव श्री सुरजीत सिंह भटोआ, श्री कुलवंत सिंह लेहरा और श्री कुलवंत सिंह पुरबा, संयुक्त सचिव, एडवोकेट यादबिंदर पाल सिंह, कानूनी सलाहकार, डा अर्जन सिंह,मंच संचालक भगवान दास और पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के कई जिला नेता शामिल थे।

देश भगत ग्लोबल स्कूल के छात्रों ने इस मौके सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से कार्यक्रम में जीवंतता ला दी, जिससे यह एक यादगार और प्रभावशाली जागरूकता अभियान बन गया। सेमिनार के अंत में श्री बीरिंदर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और यूनिवर्सिटी एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

Desh Bhagat University Signs MoUs with Two State Technical Education Giants – IKGPTU and SBSSU

In a strategic move to enhance technological development and optimize resource utilization, Desh Bhagat University (DBU) has signed Memorandums of Understanding (MoUs) with two leading state technical universities —IKGPTU, Kapurthala, and SBSSU, Ferozepur.

The MoUs were formally signed by Dr. Susheel Mittal, a renowned academician and Vice Chancellor of IKGPTU, who also holds the additional charge of Vice Chancellor, Shaheed Bhagat Singh State University (SBSSU), Ferozepur, and Dr. Harsh Sadawarti, Vice Chancellor of Desh Bhagat University.

Speaking on the occasion, Dr. Mittal emphasized the potential of DBU, located in the industrial hub of Mandi Gobindgarh —an internationally recognized center for the iron and steel industry—in contributing significantly to the training of mechanical and product development engineers.

Dr. Parveen Bansal, Dean of Research and Development at DBU, highlighted the state-of-the-art automobile and mechanical engineering laboratories at IKGPTU, which will greatly benefit DBU's future engineers. He also noted the possibility of collaborative research on biosensors—an emerging focus area post-COVID-19—and proposed joint efforts in developing advanced curricula for Allied Health Sciences and paramedical courses.

Dr. Balkar Singh, Dean of College Development at IKGPTU, and Dr. Rajeev Bedi, Associate Dean of Research, appreciated the initiative and assured maximum collaboration in utilizing the academic and technical resources of both institutions.

Dr. Zora Singh, Chancellor of Desh Bhagat University described the MoU as a forward-looking step toward the optimal use of government-established world-class labs and workshops under IKGPTU, aimed at empowering students with cutting-edge skills and knowledge.

देश भगत विश्वविद्यालय ने राज्य के दो तकनीकी शिक्षा दिग्गजों – आईकेजीपीटीयू और एसबीएसएसयू के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

तकनीकी विकास को बढ़ावा देने और संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए एक रणनीतिक कदम उठाते हुए, देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू) ने दो प्रमुख राज्य तकनीकी विश्वविद्यालयों – आईकेजीपीटीयू, कपूरथला और एसबीएसएसयू, फिरोजपुर के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इन समझौता ज्ञापनों पर औपचारिक रूप से प्रसिद्ध शिक्षाविद् और आईकेजीपीटीयू के कुलपति डॉ. सुशील मित्तल, जो शहीद भगत सिंह राज्य विश्वविद्यालय (एसबीएसएसयू), फिरोजपुर के कुलपति का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं, और देश भगत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. मित्तल ने मंडी गोबिंदगढ़ के औद्योगिक केंद्र – जो लोहा और इस्पात उद्योग के लिए एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त केंद्र है – में स्थित डीबीयू की क्षमता पर जोर दिया, जो यांत्रिक और उत्पाद विकास इंजीनियरों के प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

डीबीयू में अनुसंधान एवं विकास के डीन डॉ. परवीन बंसल ने आईकेजीपीटीयू में अत्याधुनिक ऑटोमोबाइल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रयोगशालाओं पर प्रकाश डाला, जिससे डीबीयू के भावी इंजीनियरों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने बायोसेंसर पर सहयोगात्मक अनुसंधान की संभावना पर भी ध्यान दियाकृजो कोविड–19 के बाद एक उभरता हुआ फोकस क्षेत्र हैकृऔर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए उन्नत पाठ्यक्रम विकसित करने में संयुक्त प्रयासों का प्रस्ताव रखा।

आईकेजीपीटीयू में कॉलेज विकास के डीन डॉ. बलकार सिंह और अनुसंधान के एसोसिएट डीन डॉ. राजीव बेदी ने इस पहल की सराहना की और दोनों संस्थानों के शैक्षणिक और तकनीकी संसाधनों के उपयोग में अधिकतम सहयोग का आश्वासन दिया।

देश भगत विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. ज़ोरा सिंह ने इस समझौता ज्ञापन को आईकेजीपीटीयू के तहत सरकार द्वारा स्थापित विश्व स्तरीय प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं के इष्टतम उपयोग की दिशा में एक दूरदर्शी कदम बताया, जिसका उद्देश्य छात्रों को अत्याधुनिक कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाना है।

DBU Organizes Faculty Development Program on "Research from the Roots: Excellence Through Primary Exploration"

The School of Pharmacy, in collaboration with the Internal Quality Assurance Cell (IQAC) of Desh Bhagat University, organized a Faculty Development Program (FDP) titled "Research from the Roots: Excellence Through Primary Exploration." The week-long program focused on strengthening faculty members' research capabilities through primary data collection, fieldwork, and evidence-based academic engagement.

The FDP was inaugurated by Hon'ble Chancellor Dr. Zora Singh and Pro-Chancellor Dr. Tajender Kaur, with the keynote address delivered by Dr. Milind Parle, Professor of Pharmacology and President of APSE. Ms. Shivani Pannu, the session convener, formally introduced the speaker.

Each day featured eminent speakers from reputed institutions Dr. Richa Shri, Professor of Pharmacognosy, Punjabi University, Patiala emphasized integrating indigenous knowledge with modern research. Dr. Kalpana Nagpal, Associate Professor, Amity University, Mohali shared insights on pharmaceutical regulatory frameworks. Dr. Rohini Agrawal, Head of Pharmacy, MDS University, Ajmer, spoke on cardiovascular pharmacology and translational research. Dr. Balbir Singh, Professor (Retd.), Guru Nanak Dev University, Amritsar concluded the series with a powerful session on research excellence.

All sessions were graced by the presence of Dr. Zora Singh and Dr. Tajender Kaur, who were warmly felicitated by Principal Dr. Puja Gulati. The program also included hands-on workshops on research proposal writing, data analysis tools (NVivo, SPSS), and research ethics.

The FDP concluded with a heartfelt vote of thanks by Principal Dr. Puja Gulati, who expressed gratitude to all dignitaries, speakers, and participants for their valuable contributions to the academic discourse.

डीबीयू ने ''मूल से अनुसंधानरू प्राथमिक अन्वेषण के माध्यम से उत्कृष्टता'' विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

फार्मेसी स्कूल ने देश भगत विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के सहयोग से ष्मूल से अनुसंधानरू प्राथमिक अन्वेषण के माध्यम से उत्कृष्टताष शीर्षक से एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक डेटा संग्रह, फील्डवर्क और साक्ष्य–आधारित शैक्षणिक जुड़ाव के माध्यम से संकाय सदस्यों की शोध क्षमताओं को मजबूत करना था।

एफडीपी का उद्घाटन माननीय चांसलर डॉ. ज़ोरा सिंह और प्रो–चांसलर डॉ. तेजेंदर कौर ने किया, और मुख्य भाषण फार्माकोलॉजी के प्रोफेसर और एपीएसई के अध्यक्ष डॉ. मिलिंद पार्ले ने दिया। सत्र की संयोजक सुश्री शिवानी पन्नू ने वक्ता का औपचारिक परिचय दिया।

प्रत्येक दिन प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रख्यात वक्ताओं ने भाग लिया। पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में फार्माकोग्नॉसी की प्रोफेसर डॉ. ऋचा श्री ने स्वदेशी ज्ञान को आधुनिक अनुसंधान के साथ एकीकृत करने पर जोर दिया। एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कल्पना नागपाल ने फार्मास्युटिकल नियामक ढाँचों पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। एमडीएस यूनिवर्सिटी, अजमेर की फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ. रोहिणी अग्रवाल ने कार्डियोवैस्कुलर फार्माकोलॉजी और ट्रांसलेशनल रिसर्च पर बात की। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) डॉ. बलबीर सिंह ने शोध उत्कृष्टता पर एक प्रभावशाली सत्र के साथ श्रृंखला का समापन किया।

सभी सत्रों में डॉ. ज़ोरा सिंह और डॉ. तेजेंदर कौर की उपस्थिति रही, जिनका प्राचार्य डॉ. पूजा गुलाटी ने हार्दिक अभिनंदन किया। कार्यक्रम में शोध प्रस्ताव लेखन, डेटा विश्लेषण उपकरण (एनवीवो, एसपीएसएस) और शोध नैतिकता पर व्यावहारिक कार्यशालाएँ भी शामिल थीं।

एफडीपी का समापन प्राचार्य डॉ. पूजा गुलाटी के हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने अकादमिक चर्चा में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

Desh Bhagat University Hosts Insightful Webinar on "Food-Planet-Health"

The NSS unit of Desh Bhagat University organized a webinar on the theme "Food-Planet-Health", highlighting the deep interconnections between dietary choices, environmental sustainability, and public health.

The keynote speaker for the session was Ms. Nija Dhillon, Coordinator at Vegan Outreach and an educator from Vadodara known for her commitment to societal and animal welfare.

Ms. Dhillon discussed the critical links between diet, health, the environment, animal welfare, and global warming. She emphasized the harmful effects of meat and dairy consumption and highlighted the health and environmental benefits of adopting a vegan lifestyle. She also introduced the "10 Week Vegan" program to help individuals transition to veganism.

Mr. Satish Kumar, NSS Program Coordinator at Desh Bhagat University, also addressed the audience, stressing the importance of adopting a vegan lifestyle not just as a personal choice but as a societal responsibility. "A shift in lifestyle is the need of the hour to ensure a healthier planet and population," he remarked.

The webinar saw active participation from students, faculty, and NSS volunteers who engaged in a meaningful discussion on sustainable living and ethical food choices.

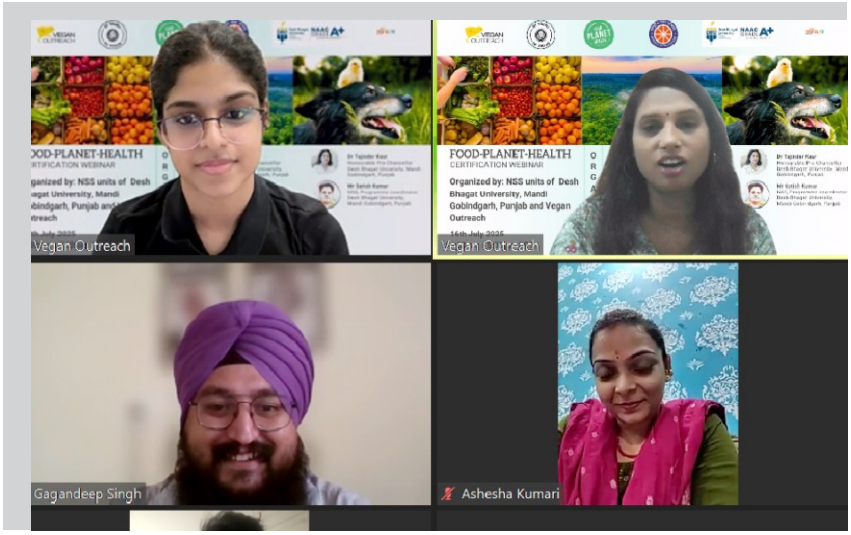

देश भगत यूनिवर्सिटी ने फूड–प्लेनेट–हेल्थ पर एक ज्ञानवर्धक वेबीनार का किया आयोजन

देश भगत यूनिवर्सिटी की एनएसएस यूनिट ने फूड–प्लेनेट–हेल्थ विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें आहार विकल्पों, पर्यावरणीय स्थिरता और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच गहरे अंतर्संबंधों पर प्रकाश डाला गया।

इस सत्र की मुख्य वक्ता सुश्री निजा ढिल्लों थीं, जो वेगन आउटरीच की समन्वयक और वडोदरा की एक शिक्षिका हैं तथा सामाजिक और पशु कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जानी जाती हैं।

इस दौरान सुश्री ढिल्लों ने आहार, स्वास्थ्य, पर्यावरण, पशु कल्याण और ग्लोबल वार्मिंग के बीच महत्वपूर्ण संबंधों पर चर्चा की। उन्होंने मांस और डेयरी उत्पादों के सेवन के हानिकारक प्रभावों पर ज़ोर दिया और शाकाहारी जीवनशैली अपनाने के स्वास्थ्य और पर्यावरणीय लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों को शाकाहारी बनने में मदद करने के लिए 10 सप्ताह शाकाहारी कार्यक्रम की भी शुरुआत की।

इस मौके देश भगत यूनिवर्सिटी में एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक, श्री सतीश कुमार ने भी श्रोताओं को संबोधित किया और न केवल एक व्यक्तिगत पसंद के रूप में, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में भी शाकाहारी जीवनशैली अपनाने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, कि एक स्वस्थ ग्रह और आबादी सुनिश्चित करने के लिए जीवनशैली में बदलाव समय की माँग है।

इस वेबीनार में छात्रों, शिक्षकों और एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्होंने टिकाऊ जीवन और नैतिक भोजन विकल्पों पर सार्थक चर्चा की।

Desh Bhagat University Organizes ICC Partners Meet in Ludhiana

Desh Bhagat University (DBU) successfully organized its Information and Counselling Centre (ICC) Partners Meet in Ludhiana with the aim of empowering educational leaders and enhancing student guidance.

The event brought together ICC partners, educational counselors, and regional representatives from Punjab and neighboring states. The goal was to equip them with in-depth knowledge about DBU's academic offerings and enhance their capacity to guide prospective students effectively.

The event was graced by Dr. Sandeep Singh, President of Desh Bhagat University, as the chief guest, and Dr. Harsh Sadawarti, Vice Chancellor of DBU, as the Guest of Honor.

In his keynote address, Dr. Sandeep Singh highlighted the crucial role ICC partner's play in furthering DBU's mission of delivering accessible, inclusive, and quality education.

Earlier, during an interaction with media persons here today, Dr. Sandeep Singh emphasized that this strategic program provided participants with detailed insights and resources related to DBU's Regular Degree Programs, Online Learning Courses, Open and Distance Learning (ODL), and the DBU Americas International Education Track. Participants also received expert guidance and support to strengthen their counseling capabilities.

Speaking at the occasion, Vice Chancellor Dr. Harsh Sadawarti stated that the sessions were designed to ensure that counseling teams at ICC centers are well-prepared to assist students during the upcoming admissions with clarity, integrity, and confidence.

Dr. Sadawarti remarked "Our ICC partners are not just associates; they are an extension of DBU's vision. This meet reflects our shared commitment to student success. When our counselors are empowered with knowledge and clarity, together we can guide thousands of students toward the right academic path."

He appreciated the ongoing support of the ICC network and expressed hope for more such interactive events in the future.

Prominent personalities, including Mr. Tara Chand Saini, General Manager of DBU, were also present at the event.

देश भगत यूनिवर्सिटी की ओर से लुधियाना में आईसीसी पार्टनर्स मीट का आयोजन

नवाचार और वैश्विक शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध एक प्रसिद्ध संस्थान, देश भगत यूनिवर्सिटी(डीबीयू) की ओर से शिक्षा नेताओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लुधियाना में इंफॉर्मेशन और काउंसलिंग सेंटर (आईसीसी) पार्टनर्स मीट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस मीट में आईसीसी साझेदारों, शिक्षा परामर्शदाताओं और पंजाब तथा आसपास के राज्यों के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया, जिसका उद्देश्य उन्हें डीबीयू की शैक्षणिक पेशकशों के बारे में पूर्ण जानकारी प्रदान करना तथा भावी छात्रों का मार्गदर्शन करने की उनकी क्षमता को मजबूत करना है।

इस कार्यक्रम में देश भगत यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट डॉ. संदीप सिंह मुख्य अतिथि और देश भगत यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर डॉ. हर्ष सदावर्ती विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने मुख्य भाषण में, प्रेसिडेंट डॉ. संदीप सिंह ने डीबीयू के सुलभ, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मिशन के विस्तार में आईसीसी भागीदारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

इससे पहले आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से बात करते हुए, देश भगत देश भगत यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट डॉ. संदीप सिंह ने कहा कि इस रणनीतिक कार्यक्रम ने भागीदारों को विभिन्न कार्यक्रमों पर अद्यतन जानकारी और संसाधन प्रदान किए, जिनमें डीबीयू नियमित डिग्री कार्यक्रम, ऑनलाइन शिक्षण कोर्स, ओपन एवं डिस्टेंस लर्निंग शिक्षा (ओडीएल) और डीबीयू अमेरिकास अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा ट्रैक सहित विभिन्न कार्यक्रमों में विशेषज्ञ मार्गदर्शन और सहायता शामिल है।

इस अवसर पर बोलते हुए वाईस चांसलर डॉ. हर्ष सदावर्ती ने कहा कि इन सत्रों को यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि सभी केंद्रों की परामर्श टीमें वर्तमान और आगामी प्रवेश के दौरान छात्रों को स्पष्टता, सटीकता और आत्मविश्वास के साथ सहायता करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हों।

डॉ. हर्ष सदावर्ती ने कहा कि हमारे आईसीसी साझेदार सिर्फ सहयोगी नहीं हैं – वे डीबीयू के विजन का विस्तार हैं। यह सममेलन छात्रों की सफलता के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जब हमारे परामर्शदाता ज्ञान और स्पष्टता से सशक्त होते हैं, तो हम मिलकर हज़ारों छात्रों को सही शैक्षणिक पथ पर मार्गदर्शन कर सकते हैं।

उन्होंने अपने आईसीसी नेटवर्क के निरंतर समर्थन के लिए अपनी सराहना व्यक्त की तथा भविष्य में इस तरह के और अधिक इंटरैक्टिव कार्यक्रमों की आशा व्यक्त की।

Desh Bhagat Global School Celebrates a Joyous and Colorful Teej Festival

Desh Bhagat Global School recently hosted a vibrant Teej celebration, marked by enthusiasm, tradition, and cultural pride. Students dressed in colorful, traditional attire, creating a festive ambiance.

Girls from classes IV to XII captivated the audience with their remarkable cultural presentations, showcasing the richness of Punjabi heritage through energetic Bhangra and graceful Giddha performances.

The highlight of the event was the Miss Teej 2025 competition. Ashveer Kaur, a student of Class XII, was crowned Miss Teej 2025, while Bhavnisha was honored as Best Performer, and Gurleen Kaur was awarded the title of Ethnic Elegance. Students also enjoyed applying mehndi and wearing traditional bangles.

Chairman Dr. Zora Singh and General Secretary Dr. Tajinder Kaur praised the participants for their outstanding performances. Principal Ms. Indu Sharma spoke on the cultural importance of Teej. Traditional sweets and swings added to the joy, making the celebration both memorable and educational, fostering cultural appreciation among students.

देश भगत ग्लोबल स्कूल में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया तीज का त्यौहार

देश भगत ग्लोबल स्कूल में उत्साह, परंपरा और सांस्कृतिक गौरव से भरपूर एक जीवंत तीज त्यौहार का आयोजन किया गया।

रंग–बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजी कक्षा चौथी से बारहवीं तक की छात्राओं ने अपनी उल्लेखनीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया, तथा ऊर्जावान भांगड़ा और सुंदर गिद्दा प्रदर्शन के माध्यम से पंजाबी विरासत की समृद्धि को दर्शाया।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मिस तीज 2025 प्रतियोगिता रही। बारहवीं कक्षा की छात्रा अश्वीर कौर को मिस तीज 2025 का खिताब दिया गया, भवनिशा को सर्वश्रेष्ठ कलाकार और गुरलीन कौर को एथनिक एलिगेंस का खिताब दिया गया। छात्राओं ने मेहंदी लगाने और पारंपरिक चूडियाँ पहनने का भी आनंद लिया।

इस दौरान स्कूल के चेयरमैन डॉ. ज़ोरा सिंह और महासचिव डॉ. तजिंदर कौर ने प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। प्रधानाचार्य इंदु शर्मा ने तीज के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला।

इस मौके पारंपरिक मिठाइयों और झूलों ने उत्सव को यादगार और ज्ञानवर्धक बनाते हुए, विद्यार्थियों में सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा दिया।

Desh Bhagat University NCC Unit Pays Tribute to Kargil heroes

The NCC Unit of Desh Bhagat University organized a solemn and inspiring ceremony to commemorate Kargil Vijay Diwas, honouring the valour and supreme sacrifice of Indian soldiers during the 1999 Kargil War. The event aimed to instill a deep sense of patriotism, courage, and reverence for the armed forces among cadets and the wider university community.

Highlights of the Event

The celebration commenced with a floral tribute to the Kargil heroes, led by Prof. (Dr.) Amarjeet Singh, Pro-Vice Chancellor (Academics), accompanied by the Registrar Dr Surinder Kapoor and other dignitaries. This was followed by an impressive synchronized drill display by NCC cadets, reflecting discipline, unity, and dedication.

Prof. (Dr.) Amarjeet Singh delivered an inspiring address, underscoring the importance of Kargil Vijay Diwas and the indomitable spirit of the Indian Armed Forces. He recounted stories of extraordinary bravery from the Kargil conflict and urged the cadets to embody the core values of duty, discipline, and devotion to the nation. The address concluded with the rendition of the National Anthem, filling the atmosphere with patriotic fervour.

The event served as a heartfelt tribute to the nation's brave soldiers and inspired all present to uphold the ideals of national service. The program concluded with a vote of thanks delivered by the NCC Officer-in-Charge Lt Tabish Ali and ANO Chamanpreet followed by refreshments.

देश भगत विश्वविद्यालय की एनसीसी इकाई ने कारगिल वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की

देश भगत विश्वविद्यालय की एनसीसी इकाई ने 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों के पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य और प्रेरणादायक समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कैडेटों और विश्वविद्यालय समुदाय में सशस्त्र बलों के प्रति गहरी देशभक्ति, साहस और श्रद्धा की भावना जगाना था।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ

कार्यक्रम की शुरुआत कारगिल वीरों को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अमरजीत सिंह, प्रो–वाइस चांसलर (अकादमिक) ने रजिस्ट्रार सुरिंदर कपूर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद एनसीसी कैडेटों ने अनुशासन, एकता और समर्पण का प्रभावशाली समन्वयात्मक अभ्यास प्रदर्शन किया।

प्रो. (डॉ.) अमरजीत सिंह ने एक प्रेरक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने कारगिल विजय दिवस के महत्व और भारतीय सशस्त्र बलों की अदम्य भावना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कारगिल युद्ध की असाधारण वीरता की कहानियाँ सुनाईं और कैडेटों से कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण के मूल मूल्यों को अपनाने का आग्रह किया। राष्ट्रगान के साथ संबोधन का समापन हुआ, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति के जोश से भर दिया।

इस कार्यक्रम ने देश के वीर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उपस्थित सभी लोगों को राष्ट्र सेवा के आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन एनसीसी प्रभारी अधिकारी लेफ्टिनेंट ताबिश अली और एएनओ चमनप्रीत द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसके बाद अल्पाहार का आयोजन किया गया।

Desh Bhagat University School of Nursing Organises Alumni Meet

The School of Nursing at Desh Bhagat University, in collaboration with the Alumni Welfare Association, successfully hosted an Alumni Meet at the Mahapragya Seminar Hall. The event brought together former nursing students from various batches in a joyful reunion to celebrate their shared journey, professional achievements, and enduring connection to their alma mater.

The program commenced with a warm welcome by Ms. Bhupinder Kaur and Ms. Karanvir Kahlon, followed by an inaugural address by Prof. Dr. Lovesampuranjot Kaur, Principal of the School of Nursing. She expressed heartfelt appreciation for the alumni's contributions to the healthcare sector and lauded their continued dedication to service and excellence. Special thanks were extended to Prof. Dr. Prabhjot Singh, Deputy Director, School of Nursing, for his continuous guidance and visionary leadership.

Gracing the occasion as Chief Guests were Dr. Zora Singh, Chancellor and Dr. Tajinder Kaur Pro-Chancellor of Desh Bhagat University. Vice-Chancellor Dr. Harsh Sadawarti also graced the event and addressed the gathering, emphasizing the crucial role of alumni in building a strong professional network and highlighting the School of Nursing's progress and achievements over the years.

A departmental presentation showcased recent milestones and innovations, followed by a variety of engaging activities. These included cultural performances by current students, interactive games, and an open-mic session, creating an atmosphere of celebration and nostalgia. Many alumni took to the stage to share their professional journeys and expressed deep gratitude for the foundational education and mentorship they received at the university.

A highlight of the event was the felicitation ceremony, where distinguished alumni were honored for their exemplary contributions to healthcare and community welfare. The celebration concluded with a group photograph and a networking lunch, providing attendees a platform to reconnect, reflect, and envision the future together.

देश भगत विश्वविद्यालय नर्सिंग स्कूल ने पूर्व छात्र मिलन समारोह का किया आयोजन

देश भगत विश्वविद्यालय के नर्सिंग स्कूल ने पूर्व छात्र कल्याण संघ के सहयोग से महाप्रज्ञ सेमिनार हॉल में पूर्व छात्र मिलन समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न बैचों के पूर्व नर्सिंग छात्र एक साथ आए और अपनी साझा यात्रा, पेशेवर उपलब्धियों और अपने संस्थान के साथ स्थायी जुड़ाव का जश्न मनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुश्री भूपिंदर कौर और सुश्री करणवीर काहलों के गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद नर्सिंग स्कूल की प्रिंसिपल प्रो. डॉ. लवसमपूरनजोत कौर ने उद्घाटन भाषण दिया। उन्होने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में पूर्व छात्रों के योगदान की हार्दिक सराहना की और सेवा एवं उत्कृष्टता के प्रति उनके निरंतर समर्पण की सराहना की। नर्सिंग स्कूल के उप निदेशक प्रो. डॉ. प्रभजोत सिंह को उनके निरंतर मार्गदर्शन और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में देश भगत विश्वविद्यालय के माननीय चांसलर डॉ. ज़ोरा सिंह और माननीय प्रो–चांसलर डॉ. तजिंदर कौर उपस्थित थे। कुलपति डॉ. हर्ष सदावर्ती ने कार्यक्रम में भाग लिया और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने एक मजबूत पेशेवर नेटवर्क बनाने में पूर्व छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया और नर्सिंग स्कूल की वर्षों की प्रगति और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

विभागीय प्रस्तुति में हाल की उपलब्धियों और नवाचारों को प्रदर्शित किया गया, जिसके बाद कई आकर्षक गतिविधियाँ हुईं। इनमें वर्तमान छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, इंटरैक्टिव खेल और एक ओपन–माइक सत्र शामिल थे, जिसने उत्सव और पुरानी यादों का माहौल बनाया। कई पूर्व छात्रों ने मंच पर आकर अपने पेशेवर सफ़र के बारे में बताया और विश्वविद्यालय में प्राप्त आधारभूत शिक्षा और मार्गदर्शन के लिए गहरा आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सम्मान समारोह था, जहाँ प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों को स्वास्थ्य सेवा और सामुदायिक कल्याण में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह का समापन एक समूह फोटोग्राफ़ी और नेटवर्किंग लंच के साथ हुआ, जिसने उपस्थित लोगों को एक साथ फिर से जुड़ने, चिंतन करने और भविष्य की कल्पना करने का एक मंच प्रदान किया।

पूर्व छात्र मिलन समारोह एक शानदार सफलता थी, जिसने पूर्व छात्रों और देश भगत विश्वविद्यालय के नर्सिंग स्कूल के बीच मजबूत बंधन की पुष्टि की, और आजीवन संबंधों को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

Fire Brigade Mandi Gobindgarh Conducts Mock Drill at Desh Bhagat University's Ayurveda College

Under the vision of Dr. Kulbhushan, Director campus, DBU and Principal Dr. Hem Raj, a mock drill was conducted on fire safety at Desh Bhagat Ayurvedic College and Hospital, Mandi Gobindgarh campus. The staff of the Fire Brigade Mandi Gobindgarh successfully conducted a fire safety mock drill at the Ayurveda College of Desh Bhagat University, aiming to enhance preparedness and awareness among students and staff in the event of a fire emergency.

The mock drill was carried out under the supervision of experienced fire officers and safety personnel fire brigade team led by Sh Pardeep Kumar Rana Assistant Divisional Fire Officer, Sh. Palakdeep Singh Fire Officer and other Staff members of Department of Punjab Fire Services, Fire Station, Mandi Gobindgarh. The exercise included demonstrations on how to use fire extinguishers, evacuation procedures, and safety protocols during a fire outbreak.

Faculty members, non-teaching staff, and students actively participated in the drill, gaining valuable hands-on experience. The event highlighted the importance of swift action and coordinated response during emergencies.

Speaking on the occasion Sh Pardeep Kumar Rana Assistant Divisional Fire Officer emphasized the significance of regular drills and training sessions in educational institutions to build a culture of safety and readiness.

Dr Zora Singh Chancellor of Desh Bhagat University extended their gratitude to the Fire Brigade for their support and commitment to public safety.

मंडी गोबिंदगढ़ अग्निशमन विभाग ने देश भगत विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज में मॉक ड्रिल का आयोजन किया

देश भगत आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल, मंडी गोबिंदगढ़ परिसर में, डीबीयू के परिसर निदेशक डॉ. कुलभूषण और प्राचार्य डॉ. हेम राज के मार्गदर्शन में, अग्नि सुरक्षा पर एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। अग्निशमन विभाग मंडी गोबिंदगढ़ के कर्मचारियों ने देश भगत विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज में अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसका उद्देश्य आग लगने की आपात स्थिति में छात्रों और कर्मचारियों में तैयारी और जागरूकता बढ़ाना था।

यह मॉक ड्रिल अनुभवी अग्निशमन अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों की देखरेख में की गई, जिनका नेतृत्व श्री प्रदीप कुमार राणा, सहायक संभागीय अग्निशमन अधिकारी, श्री पलकदीप सिंह, अग्निशमन अधिकारी और पंजाब अग्निशमन सेवा विभाग, अग्निशमन केंद्र, मंडी गोबिंदगढ़ के अन्य कर्मचारियों ने किया। इस अभ्यास में अग्निशामक यंत्रों के उपयोग, निकासी प्रक्रियाओं और आग लगने की स्थिति में सुरक्षा प्रोटोकॉल पर प्रदर्शन शामिल थे।

संकाय सदस्यों, गैर–शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों ने इस अभ्यास में सक्रिय रूप से भाग लिया और बहुमूल्य व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में आपात स्थितियों के दौरान त्वरित कार्रवाई और समन्वित प्रतिक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, सहायक संभागीय अग्निशमन अधिकारी, श्री प्रदीप कुमार राणा ने शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा और तत्परता की संस्कृति के निर्माण के लिए नियमित अभ्यास और प्रशिक्षण सत्रों के महत्व पर बल दिया।

देश भगत विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. ज़ोरा सिंह ने जन सुरक्षा के प्रति उनके सहयोग और प्रतिबद्धता के लिए अग्निशमन विभाग का आभार व्यक्त किया।